“बाल संरक्षण -- हम सभी का कर्तव्य है” पर्चे के

बाल संरक्षण -- हम सभी का कर्तव्य है

बच्चों की वृद्धि और विकास के लिए उनके माता-पिता और देखभालकर्ताओं के प्यार के साथ-साथ उचित देखभाल और अनुशासन की आवश्यकता होती है। यदि माता-पिता या देखभालकर्ताओं द्वारा बच्चों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा या स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया जाता है या उपेक्षा की जाती है, तो इसका बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ये प्रभाव आमतौर पर अन्य लोगों द्वारा किए गए नुकसान की तुलना में बच्चों को अधिक नुकसान पहुंचाएंगे। शारीरिक रूप से, बच्चों के साथ किए जा रहे नुकसान/दुर्व्यवहार से वे न केवल शारीरिक चोटों से पीड़ित होंगे बल्कि शरीर की कार्यप्रणाली और बौद्धिक विकास में भी अलग-अलग तरह के ऐसे नुकसान होंगे जो गंभीर मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकते हैं। मनोवैज्ञानिक और सामाजिक रूप से बात करें, तो बच्चों के व्यवहार, भावनाओं, धारणाओं और पारस्परिक संबंधों को लेकर समस्याएं पैदा होंगी। यदि समस्याओं के साथ उचित ढंग से निपटा नहीं गया, तो वे बच्चों को आघात पहुंचा सकती हैं और साथ ही उनकी परवरिश और बाल अनुशासन के ढंग को प्रभावित कर सकती हैं जिससे अगली पीढ़ी के लिए संभावित समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

बच्चों को नुकसान/दुर्व्यवहार से बचाना न केवल बच्चों का अधिकार है बल्कि उनके माता-पिता/अभिभावक, देखभालकर्ताओं और समाज की भी जिम्मेदारी है। चाहे बच्चों के लिंग, उम्र, जाति, भाषा, धर्म, निवास की स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति, क्षमता या व्यवहार जो भी हों, जहां तक बाल दुर्व्यवहार से बचाव के लिए व्यावहारिक है, माता-पिता और सभी क्षेत्रों को बच्चों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

बाल दुर्व्यवहार क्या है

व्यापक अर्थ में, बाल दुर्व्यवहार को ऐसे किसी भी कृत्य या चूक के कार्य के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो 18 से कम उम्र के किसी व्यक्ति के शारीरिक/मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और विकास को खतरे में डालता है या बाधित करता है।

बाल दुर्व्यवहार उन व्यक्तियों द्वारा किया जाता है जो अपनी विशेषताओं (जैसे कि उम्र, स्थिति, ज्ञान, संगठनात्मक प्रारूप) के द्वारा ऐसी अंतर शक्ति की स्थिति में होते हैं जो किसी बच्चे को कमजोर बनाती है। वे बच्चे की देखभाल या निगरानी के लिए जिम्मेदार होते हैं, या अपनी स्थिति/पहचान के आधार पर बच्चे की देखभाल या निगरानी में भूमिका निभाते हैं। बाल यौन शोषण के मामलों में, उनमें ऐसे अन्य व्यक्ति भी शामिल होते हैं जो बच्चे के प्रति अंतर शक्ति की स्थिति में होते हैं। ये व्यक्ति, जो कि बच्चे के लिए परिचित या अपरिचित हो सकते हैं, वयस्क या नाबालिग हो सकते हैं।

नुकसान/दुर्व्यवहार के प्रकार

(1) शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना

का आशय किसी बच्चे पर हिंसात्मक या अन्य तरीकों से की गई शारीरिक चोट या पीड़ा से है (जैसे कि घूंसा मारना, लात मारना, किसी चीज से प्रहार करना, जहर देना, गला घोंटना, जलाना, किसी शिशु को जोर से हिलाना, या दूसरों पर पागलपन जताना), जहां पर निश्चित जानकारी है, या कोई उचित संदेह है कि चोट को गलती से नहीं लगाया गया है।

शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना पर आगे की जानकारी इस प्रकार है।

शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना के संभावित संकेतक

शारीरिक संकेतक

- खरोंचें, कटना, काटने के निशान, जलना, फफोला, फ्रैक्चर, आंतरिक चोटें या अन्य ऐसी चोटें जिनकी दुर्घटनावश होने की संभावना नहीं हैं
- हाथों, कलाइयों, पैरों, एड़ियों, पेट और कमर पर ऐसे निशान जो बच्चे को बांधे जाने का संकेत देते हैं
- खरोंचें या चोटें, नई और पुरानी दोनों, संकेत देती हैं कि बच्चे को कई बार चोट पहुंचाई गई हो सकती है
- बच्चा अत्याधिक थका, कमजोर दिखाई देता है या बाल झड़ने या अवसाद के लक्षण प्रदर्शित करता है

व्यवहारपरक संकेतक

- माता-पिता/देखभालकर्ता/बच्चे द्वारा बच्चे की चोट के कारण/प्रकार को लेकर दिए गए स्पष्टीकरण अविश्वसनीय/विरोधाभासी हैं या लगने वाली चोटों के अनुरूप नहीं हैं
- घायल होने वाले बच्चे के लिए चिकित्सा सलाह मांगने में विफलता या देरी
- बच्चे द्वारा अपने शरीर को ढकने के लिए ज्यादा मात्रा में पहने जाने वाले कपड़े
- बच्चे द्वारा खेल या दैनिक व्यवहार में नुकसान/दुर्व्यवहार के दृश्यों का अभिनय/दोहराव

प्रताड़ना शिराघात (पूर्व में “शेकन बेबी सिंड्रॉम” के रूप में ज्ञात)

- प्रताड़ना सिर आघात यानी एब्यूजिव हेड ट्रौमा (पूर्व में “शेकन बेबी सिंड्रॉम” के रूप में ज्ञात) उन गंभीर चोटों का वर्णन करता है जो तब हो सकती हैं जब शिशु या छोटे बच्चों को हिंसक तरीके से हिलाया जाता है या जोर से टकराने, मारने, खींचने

इत्यादि से संबंधित मुंदी चोट से पीड़ित होते हैं।

- मानव मस्तिष्क के ऊतकों और खोपड़ी के बीच इतना अंतर होता है कि वे एक दूसरे से कसकर जुड़े नहीं होते हैं। मस्तिष्क की कोमलता और गर्दन में मांसपेशियों के विकास की कमी के कारण शिशु खासतौर पर संवेदनशील होते हैं। कुछ सेकंड जैसे थोड़े समय के लिए भी किसी शिशु को तेजी के साथ आगे पीछे करते हुए हिलाना, या उन्हें मुंदी चोट का निशाना बनाना दोनों ही उनके नाजुक मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्थायी रूप से मस्तिष्क को क्षति, अंधापन, दौरा पड़ना या मौत भी हो सकती है।
- यह तब हो सकता है जब कोई देखभालकर्ता किसी बच्चे को रोने से रोकने के लिए गुस्से या खिसियाहट में आवेशभरी प्रतिक्रिया करता है। हालांकि, शिशु को हिलाने से गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं और इसलिए कभी भी बच्चे को जोर-जबर्दस्ती करके न संभालें।
- प्रताड़ना सिर आघात और संभाले गए शिशु के लगातार रोने के विवरण के लिए, कृपया स्वास्थ्य विभाग की इस वेबसाइट का संदर्भ लें: https://www.fhs.gov.hk/english/health_info/child/13041.html.
- शेकन बेबी सिंड्रोम पर दृश्य-श्रव्य संसाधनों के लिए, कृपया स्वास्थ्य विभाग की इस वेबसाइट का संदर्भ लें: https://www.fhs.gov.hk/tc_chi/mulit_med/000019.html (केवल कैंटोनीज संस्करण में उपलब्ध)।
- यदि आपको पता है या संदेह है कि आपके शिशु को गंभीर या हिंसक रूप से हिलाया गया है, तो जितना जल्दी हो सके अस्पताल प्राधिकरण के किसी अस्पताल में अपने शिशु की चिकित्सा जांच की व्यवस्था करें। शर्मिंदगी, ग्लानि, या डर की वजह से छिपाएं नहीं। आपको चिकित्सा स्टाफ को सच बताना चाहिए और अपने शिशु को सर्वाधिक उचित उपचार प्राप्त करने देना चाहिए।

क्या शारीरिक दंड को शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना माना जाता है?

- शारीरिक दंड का आमतौर पर आशय किसी बच्चे के व्यवहार को बदलने या नियंत्रित करने के लिए उसे पीड़ा देने के लिए मारने से है। अधिकांश परिस्थितियों में, शारीरिक दंड का उपयोग माता-पिता/देखभालकर्ताओं द्वारा बच्चों पर अनुशासन के लिए बच्चे को नुकसान पहुंचाने के इरादे के बगैर किया जाता है। हालांकि, शारीरिक दंड बाल अनुशासन में एक उचित या प्रभावी तरीका नहीं है। जैसे-जैसे माता-पिता/देखभालकर्ता उत्तेजित होते जाते हैं, दंड बढ़ सकता है या ज्यादा हो सकता है और उनकी भावनाओं को बाहर निकालने के एक स्रोत में बदल सकता है। यह न केवल बाल अनुशासन के उद्देश्य को पूरा करने में विफल होगा बल्कि कई अवांछित दुष्परिणामों का कारण बनेगा। बच्चों को शारीरिक चोट पहुचाने के अलावा शारीरिक दंड बच्चों के मनोवैज्ञानिक विकास में भी बाधक बनेगा, जैसे कि बच्चों के

आत्म-सम्मान को बाधित करना या बच्चों में समस्या का हल करने के लिए हिंसा का उपयोग करने की प्रवृत्ति पैदा करना। इन सबसे ऊपर, माता-पिता और बच्चों का संबंध भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा।

- कई शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना के मामले माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को शारीरिक दंड देने से पैदा होते हैं। यह परिभाषित करने के लिए कोई सटीक मानक नहीं है कि किस प्रकार का शारीरिक दंड शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना का रूप लेता है। कर्मियों को व्यक्तिगत मामलों के गुणदोषों का मूल्यांकन करना चाहिए। प्राथमिक निर्धारण बच्चे के शारीरिक/मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और विकास को व्यवहार द्वारा किया गया नुकसान और संभावित प्रभाव है बजाय इसके कि क्या माता-पिता/देखभालकर्ता का बच्चे को कोई नुकसान पहुंचाने का इरादा था या नहीं।

शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना के शिकार बच्चे पर क्या प्रभाव पड़ेंगे?

- शारीरिक नुकसान/प्रताड़ना के शिकार बच्चे न केवल शारीरिक चोटों और दर्द से पीड़ित होंगे बल्कि शरीर की कार्यप्रणाली और बौद्धिक विकास में भी अलग-अलग तरह के नुकसान होंगे जो गंभीर मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकते हैं।
- इसके अलावा, बच्चों के व्यवहार, भावनाओं, धारणाओं और अंतर्वैयक्तिक संबंधों को लेकर समस्याएं पैदा होंगी। यदि इन समस्याओं से उचित रूप से नहीं निपटा गया, तो वे बच्चे के विकास को प्रभावित करेंगी और आघात (ट्रौमा) का कारण भी बन सकती हैं। ऐसी समस्याएं उनकी परवरिश और बाल अनुशासन के ढंग को भी प्रभावित कर सकती हैं जिससे अगली पीढ़ी के लिए संभावित समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

(2) यौन शोषण

- का आशय किसी बच्चे को यौन शोषण या प्रताड़ना के लिए किसी यौन गतिविधि में भाग लाने के लिए मजबूर करने या लुभाने से है और बच्चा सहमत नहीं है या मानसिक अपरिपक्वता की वजह से अपने साथ होने वाली इस यौन गतिविधि को पूरी तरह नहीं समझता या जानता है।
- इस यौन गतिविधि में वे व्यवहार शामिल हैं जिनमें बच्चों के साथ सीधा शारीरिक संपर्क होता है या नहीं होता है (जैसे कि बलात्कार, मुख मैथुन, किसी बच्चे को अन्य व्यक्ति का हस्तमैथुन करने/अपने यौनांग दिखाने के लिए झांसा देना, अश्लील सामग्री का निर्माण, इत्यादि)।
- यौन शोषण में शामिल है किसी बच्चे को ईनाम या अन्य माध्यमों से लुभाना, साथ ही शामिल है बच्चे के यौन शोषण के इरादे से उसका भरोसा हासिल करने के लिए जानबूझकर विभिन्न तरीकों से उसके साथ संबंध और/या भावनात्मक संपर्क स्थापित करना (जैसे कि बच्चे के साथ मोबाइल फोन या इंटरनेट के जरिए संपर्क)।
- एक किशोर और अन्य व्यक्ति के बीच सहमति-जन्य यौन गतिविधि में ऐसे व्यक्ति द्वारा

यौन शोषण शामिल हो सकता है जो अपनी विशेषताओं के द्वारा किशोर के प्रति अंतर शक्ति की स्थिति में होते हैं।

यौन प्रताड़ना पर आगे की जानकारी इस प्रकार है।

यौन प्रताड़ना के बारे में मिथक बनाम वास्तविकता

मिथक	वास्तविकता
☒ यौन प्रताड़ना के रूप केवल बलात्कार, अनाचार और अभद्र हमला हैं।	☑ अपमानजनक व्यवहारों के अलावा, बगैर शारीरिक संपर्क वाले कुछ कृत्य, जैसे कि अभद्र प्रदर्शन, किसी बच्चे को दूसरों का हस्तमैथुन करने/अपने यौनांग दिखाने, या अश्लील तरीके से मुद्रा बनाने/दूसरे लोगों की यौन गतिविधियां/अश्लील मूवी, वीडियो या प्रकाशन, इत्यादि देखने में संलग्न करना, अश्लील सामग्री का निर्माण, इत्यादि भी यौन प्रताड़ना के कृत्य हैं। यौन प्रताड़ना में किसी बच्चे की यौन प्रताड़ना करने के इरादे से उसका भरोसा हासिल करने के लिए जानबूझकर विभिन्न तरीकों से उसके साथ संबंध और/या भावनात्मक संपर्क स्थापित करना भी शामिल है (जैसे कि बच्चे के साथ मोबाइल फोन या इंटरनेट के जरिए संपर्क करना)। एक किशोर और अन्य व्यक्ति के बीच सहमति जन्य यौन गतिविधि के लिए भी, इसे भी यौन प्रताड़ना माना जा सकता है बशर्ते इसमें ऐसे व्यक्ति द्वारा यौन शोषण शामिल हो, जो अपनी विशेषताओं के आधार पर, किशोर के प्रति परिवर्तनकारी शक्ति की स्थिति में है।
☒ बच्चे केवल अजनबियों द्वारा यौन प्रताड़ना का शिकार होते हैं।	☑ अधिकांश मामलों में, अपराधी बच्चे का परिचित होता है। वे आधिकारिक व्यक्ति होते हैं बच्चा जिन पर भरोसा और जिनसे प्रेम करता है। वे बच्चे के रिश्तेदार भी हो सकते हैं। अपराधी अक्सर बच्चे को बहलाकर, ईनाम, झांसा देकर या जबर्दस्ती भी यौनाचार या यौन कृत्यों में शामिल करते हैं।
☒ केवल लड़कियों के साथ यौन प्रताड़ना होती है।	☑ लड़के भी समान या विपरीत लिंग के अपराधियों द्वारा यौन प्रताड़ना का शिकार बन सकते हैं।

यौन प्रताड़ना के संभावित संकेतक

यौन प्रताड़ना के शिकार अधिकांश बच्चे, अपने प्रताड़ना के अनुभव को उजागर करने में अनिच्छुक होते हैं या डरते हैं। उन्हें अपराधी द्वारा समझाया या डराया गया होगा कि वे इसके बारे में किसी से नहीं बताएंगे। यौन प्रताड़ना का शिकार बच्चों में व्यवहारपरक, भावनात्मक या शारीरिक बदलाव हो सकते हैं। बड़ों को किसी बच्चे के निम्नलिखित संकेतकों से अवगत होना चाहिए:

शारीरिक संकेतक

- जननांगों के स्थान पर दर्द, सूजन या खुजली की शिकायतें
- शौचालय प्रशिक्षण के बावजूद लैट्रिन या पेशाब पर नियंत्रण कमजोर होना
- बार-बार मूत्र मार्ग में संक्रमण
- यौन संचारित रोग
- गर्भावस्था

व्यवहारपरक संकेतक

- यौनाचार या यौन व्यवहार के बारे में ऐसी जानकारी जो बच्चे की उम्र के हिसाब से उम्मीद से परे है
- बच्चे का वयस्कों के शरीर के अंगों में विशेष रुचि दिखाना या वयस्कों के संवेदनशील शारीरिक अंगों को बार-बार छूना
- बच्चे द्वारा खेल या दैनिक व्यवहार में यौन प्रताड़ना के दृश्यों का अभिनय/दोहराव
- बड़ी उम्र का बच्चा आदतन अपने विपरीत लिंग के अभिभावक के साथ समान बिस्तर साझा करता है
- खुद की देखभाल करने की पर्याप्त क्षमता वाला बच्चा जिसका देखभालकर्ता अक्सर उसकी व्यक्तिगत स्वच्छता की देखभाल करता है, मायने रखता है (जैसे कि नहलाना, शौच के बाद सफाई करना, कपड़े बदलना, इत्यादि)
- अत्याधिक हस्तमैथुन
- अकेला छोड़े जाने का बहुत ज्यादा डर, अन्य लोगों के साथ आंख मिलाने को तैयार न होना
- किसी स्थान या किसी व्यक्ति/खास लिंग/खास पहचान के व्यक्ति(यों) के साथ रहने में बहुत ज्यादा विरोध करना
- बार-बार बुरे सपने, गहरी नींद में सोने में कठिनाई या नींद न आना
- अवसादग्रस्त, हीन महसूस करना, और यहां तक कि खुद को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या की प्रवृत्ति
- व्यवहारपरक समस्याएं (जैसे कि एनोरेक्सिया/बुलिमिया, मोटापा, खुद को नुकसान पहुंचाना, घर से भागना, आत्महत्या, अस्त-व्यस्त हालत, शराब और नशीली दवाओं का सेवन)

उपरोक्त संकेतक केवल संदर्भ के लिए हैं। यदि उपरोक्त में से कोई भी संकेतक दिखाई देता है, तो आगामी जाँच-पड़ताल करने की सलाह दी जाती है।

यदि मुझे संदेह है कि किसी बच्चे के साथ यौन प्रताड़ना हुई है तो मुझे क्या करना चाहिए?

क्या करें	क्या न करें
✓ एक शांत और भरोसेमंद तौर-तरीका रखें	✗ बहुत उत्तेजित होना, एक पक्षपाती/संदिग्ध तौर-तरीका अपनाना
✓ बच्चे के साथ सुरक्षित माहौल में बात करें	✗ आलोचनात्मक टिप्पणियां करना
✓ स्थिति को समझने के लिए जो हुआ उसे उजागर करने के लिए बच्चे को प्रोत्साहित करना	✗ काल्पनिक या प्रबंधन वाले प्रश्न पूछना
✓ बच्चे को आश्वस्त करें कि आप उसकी भावनाओं को समझते हैं और उसकी समस्या को गंभीरतापूर्वक संभालेंगे	✗ उदासीन/निष्ठुर
✓ बच्चे को आश्वस्त करें कि वह यौन प्रताड़ना की घटना को उजागर करके सही काम कर रहा है	
✓ बच्चे को यह बताएं कि यौन प्रताड़ना गलत है और इसे छिपाना नहीं चाहिए	
✓ बच्चे को यह बताएं कि यौन प्रताड़ना का शिकार होने में उसकी कोई गलती नहीं है	

यदि कोई बच्चा यौन प्रताड़ना का शिकार होने का खुलासा करता है:

क्या करें	क्या न करें
✓ तुरंत पेशेवरों, जैसे कि सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस या चिकित्सक इत्यादि से सहायता मांगें	✗ बच्चे के सामने अपराधी पर टिप्पणी करना या आरोप लगाना
	✗ खुलासे के दुष्परिणामों के डर से बच्चे से घटना को छिपाने का अनुरोध करना
	✗ बच्चे पर अपने साथ यौन क्रीड़ाएं करने के लिए दूसरों को फुसलाने/अनुमति देने का आरोप लगाना जो बच्चे
	✗ ने कहा उस पर संदेह करना

संदेह की स्थिति में:

✓ आप पेशेवरों, जैसे कि सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस या चिकित्सक इत्यादि से सहायता मांग सकते हैं

यौन प्रताड़ना को कैसे रोकें?

- बच्चों को निम्न बातें समझाएं:
  - अपराधी कोई अजनबी या उनका परिचित हो सकता है।
  - शरीर के कुछ अंग जैसे छाती, जननांग, इत्यादि इतने निजी हैं कि दूसरे किसी भी व्यक्ति को उन्हें छूना नहीं चाहिए।
  - उनके शरीर पर उनका हक है और उन्हें किसी भी व्यक्ति के बुरे स्पर्श या अप्रिय अनुरोध को मना करने का अधिकार है (जिसमें उनके माता-पिता और रिश्तेदार शामिल हैं)।
  - वे कई तरीकों से मना कर सकते हैं जैसे कि अपना सिर हिलाना, दृढ़ता से "नहीं" कहना, चीखना, दूर भाग जाना, इत्यादि या तुरंत दूसरे लोगों से मदद मांगना।
  - यौन प्रताड़ना एक अनुचित कार्य है और इसे छिपाना नहीं चाहिए।
- बच्चों को किसी बड़े व्यक्ति को बताकर मदद मांगने के लिए प्रोत्साहित करें जिस पर वे यौन प्रताड़ना के अनुभव या उन्हें परेशान करने वाले गुप्त स्पर्श के बारे में भरोसा कर सकते हैं।
  - भले ही कोई बड़ा व्यक्ति उनका विश्वास न करे, उन्हें दूसरे बड़े लोगों को बताना जारी रखना चाहिए जिन पर वे भरोसा करते हैं जब तक कि कोई उनका भरोसा और उनकी मदद न करे।
- बच्चों को सामान्य तौर पर रिश्तेदारों को आलिंगन या चुंबन देने के लिए मजबूर या प्रोत्साहित न करें। बच्चों को दूसरों के साथ सामान्य सामाजिक दूरी के बारे में बताएं
- अपराधियों को अक्सर किसी बच्चे को यौन गतिविधि में शामिल करने के लिए शारीरिक बल का प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं होती। इसके बजाय वे बच्चे के भरोसे और दूसरों पर निर्भरता का फायदा उठाकर बच्चे को यौन क्रीड़ाएं करने के लिए फुसलाते हैं। माता-पिता को अपने बच्चों की भावनात्मक संतुष्टि को सुनिश्चित करने के लिए उनकी देखभाल करनी चाहिए और अपराधियों को उनका फायदा उठाने से रोकने के लिए उनके परिचितों पर नजर रखनी चाहिए।
- माता-पिता को अपने बच्चों के शरीर के साथ सम्मानजनक और परवाह वाला व्यवहार करना चाहिए ताकि बच्चे सीख सकें और दूसरों से भी इसी तरीके से अपने शरीर का सम्मान करने का अनुरोध करें।
- बच्चों के साथ संवाद स्थापित करें और उन्हें सवाल पूछने या अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें बताएं कि यदि उनके साथ यौन प्रताड़ना हुई है तो उन्हें आपको या किसी अन्य भरोसेमंद बड़े व्यक्ति को सूचित करना चाहिए।

(3) उपेक्षा

का आशय किसी बच्चे की बुनियादी जरूरतों के प्रति ध्यान दिए जाने में कमी के गंभीर या दोहराव वाले तरीके से है जो बच्चे के स्वास्थ्य या विकास को खतरे में डालता है या बाधित करता है। उपेक्षा निम्न रूपों में हो सकती है:

(a) शारीरिक (जिसमें शामिल हैं आवश्यक भोजन/कपड़े/आश्रय प्रदान करने में विफलता,

शारीरिक चोट/पीड़ा से बचाने में विफलता, उचित निगरानी की कमी, किसी छोटे बच्चे को बगैर देखभाल के छोड़ना, खतरनाक दवाओं का अनुचित भंडारण जिसके परिणामस्वरूप किसी बच्चे द्वारा अनजाने में निगल लिया जाना या किसी बच्चे को नशीली दवाओं वाले वातावरण में रखने की अनुमति देना जिसके परिणामस्वरूप बच्चे द्वारा खतरनाक दवाओं को सांस से अंदर लेना); या

(b) चिकित्सीय (जिसमें शामिल हैं किसी बच्चे को आवश्यक चिकित्सीय या मानसिक स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में विफलता); या

(c) शैक्षणिक (जिसमें शामिल है शिक्षा प्रदान करने में विफलता या किसी बच्चे की विकलांगता की वजह से उत्पन्न होने वाली शैक्षणिक/प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की उपेक्षा करना)।

उपेक्षा पर अधिक जानकारी इस प्रकार है।

एक बच्चे के स्वस्थ विकास के लिए निम्नलिखित बुनियादी जरूरतों को पूरा किया जाना चाहिए:

- **भोजन**
  बच्चों की उम्र और शारीरिक विकास के लिए उपयुक्त एक संतुलित और पौष्टिक आहार तथा खाने की अच्छी आदत बच्चे के उचित शारीरिक विकास में योगदान देते हैं।

- **व्यक्तिगत स्वच्छता और साफ-सफाई**
  घर का सुव्यवस्थित माहौल, साफ सुथरे कपड़े, अलग-अलग मौसम के लिए पर्याप्त/उपयुक्त कपड़े और आवश्यक चिकित्सीय/मानसिक स्वास्थ्य उपचार बच्चे के स्वस्थ विकास के लिए अपरिहार्य हैं।

- **घरेलू सुरक्षा**
  दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, बच्चों को घर पर अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए और सुरक्षित घरेलू वातावरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। खतरनाक सामान/घरेलू दवाएं सही ढंग से रखी जानी चाहिए ताकि बच्चों को इन सामानों से नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके।

- **नींद और आराम**
  एक शांत और आरामदायक नींद का वातावरण प्रदान करना और अच्छी नींद की आदतों को बढ़ावा देना बच्चों के लिए जरूरी पर्याप्त आराम सुनिश्चित करेगा।

- **शिक्षा**
  शिक्षा प्रदान करने से बच्चों का बौद्धिक विकास आसान होगा। विशेष देखभाल/शैक्षणिक

आवश्यकता वाले बच्चों को उचित मूल्यांकन, शिक्षा या प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उपेक्षा के संभावित संकेतक

- शारीरिक रूप से, बच्चे कुपोषण, कम वजन और देर से शारीरिक विकास होने के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं
- घर पर अकेले छोड़े जा रहे शिशु/स्कूल न जाने वाले बच्चे
- स्कूल से लगातार अनुपस्थित/बगैर कारण से स्कूल छोड़ना या अचानक संपर्क टूटना
- उपेक्षित शारीरिक समस्याएं या पूरी न की गईं चिकित्सा/दंत चिकित्सा आवश्यकताएं
- देखने और कपड़ों से गंदे या मैले-कुचैले
- निरंतर भूख की शिकायतें, भीख मांगना या खाना चुराना
- घर पर किसी वयस्क या उपयुक्त देखभालकर्ता के बगैर
- जहरखुरानी/दुर्घटनावश खतरनाक दवाएं या खतरनाक पदार्थ निगलना
- शिशु/बच्चों का संदिग्ध रूप से खतरनाक दवाओं वाले स्थान या नशीली दवा लेने वाले उपकरण के संपर्क में आना

उपेक्षा से संबंधित माता-पिता/देखभालकर्ता के संभावित संकेतक

- बार-बार दूसरों को बच्चों के पास जाने से मना करना या बच्चे को कर्मियों के साथ सीधे बातचीत करने से रोकना
- बच्चे को निरंतर स्कूल से अनुपस्थित रहने की अनुमति देना या ठोस कारणों के बगैर बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने से रोकना
- ठोस कारणों के बगैर बच्चे को स्वास्थ्य/चिकित्सा फॉलो-अप या जांच प्राप्त करने से रोकना
- ठोस कारणों के बगैर बच्चे के लिए जन्म प्रमाणपत्र/पहचान दस्तावेज के लिए आवेदन न करना
- बच्चे की मौजूदगी में संदिग्ध खतरनाक दवाएं लेना

(4) मनोवैज्ञानिक नुकसान/प्रताड़ना

का आशय देखभालकर्ता और बच्चे के बीच में व्यवहार और/या बातचीत के एक दोहराव वाले तरीके से है, या एक ऐसी चरम घटना से है जो बच्चे के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को खतरे में डालती है या बाधित करती है (जिसमें भावनात्मक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास शामिल हैं)।

मनोवैज्ञानिक नुकसान/दुर्व्यवहार परआगे की जानकारी इसप्रकार है।

निम्नलिखित व्यवहारों में मनोवैज्ञानिक नुकसान/दुर्व्यवहार का सार प्रस्तुत किया जा सकता है:

अस्वीकृति, अलगाव और तिरस्कार

बच्चे की भावनात्मक आवश्यकताओं की उपेक्षा और उसके साथ बातचीत में भावनात्मक रूप से अनुपलब्ध रहना, बच्चे को सामान्य सामाजिक जीवन से वंचित करना (जैसे कि परिवारजनों, साथियों या समुदाय में अन्य लोगों के साथ बातचीत में अनुचित सीमाएं या प्रतिबंध लगाना), लगातार बच्चे की कठोर आलोचना करना, बच्चे को अनुचित रूप से डांट-फटकार लगाना, बच्चे को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बच्चे का उपहास करना और बच्चे के प्रति उदासीन रहना, बच्चे के व्यक्तिगत मूल्य को नीचा दिखाना।

धमकियां

बच्चे को शाब्दिक धमकियां देना और बच्चे को सख्त अनुशासन में रखना, बच्चे को भय और असुरक्षा की एक तगड़ी भावना का एहसास दिलाना कि उसकी सुरक्षा लगातार खतरे में है (जैसे कि बच्चे को खतरनाक या डरावनी स्थिति में त्यागने/छोड़ने की धमकी देना, कठोर या अवास्तविक उम्मीदें रखना जिनके पूरा नही होने पर नुकसान या खतरे की धमकी देना)।

भ्रामक

बच्चे के साथ विकासपरक रूप से अनुचित बातचीत (जैसे कि वयस्कवत व्यवहार करना, माता-पिता की भूमिका देना, शिशुवत बनाए रखना), अनुचित/विकृत विचारों और अवधारणाओं द्वारा बच्चे के संदर्भ के भीतर बच्चे के समाजीकरण और सामाजिक विकास को रोकना (जैसे कि बेहद दबंगई वाले परवरिश संबंधी व्यवहारों के लिए बच्चे को मजबूर करना, बच्चे के जीवन में ऐसा हेरफेर या सूक्ष्म बदलाव करना जिससे बच्चे में सही या गलत की धारणा भ्रमित हो, अपराधबोध पैदा हो या परेशानी को बढ़ावा मिले)।

मनोवैज्ञानिक नुकसान/दुर्व्यवहार के संभावित संकेतक

- शारीरिक रूप से, बच्चा कम वजन का है या कमजोर है देरी से विकास कर रहा है, खाने के विकार से पीड़ित है, मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक गड़बड़ियों के कारण शारीरिक कष्ट या

लक्षण (जैसे कि सिरदर्द, पेटदर्द, दस्त, उल्टी, त्वचा की एलर्जी, इत्यादि)

- व्यावहारिक रूप से, बच्चा दूसरे लोगों और बाहरी दुनिया के साथ संपर्क का विरोध कर सकता है, व्यग्रता के लक्षण प्रदर्शित कर सकता है (जैसे कि आदतन नाखून चबाना, बाल खींचना, अंगूठा चूसना, बुरू तरह सिर पटकना और शरीर हिलाना, इत्यादि), बिस्तर गीला करना, खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति

मनोवैज्ञानिक नुकसान/दुर्व्यवहार संबंधी अभिभावकों/देखभालकर्ताओं के संभावित संकेतक

- बच्चे के प्रति लगावहीन या उदासीन रहना, अक्सर किसी खास बच्चे को अकेला छोड़ना और नकारना या उसके साथ बुरा व्यवहार करना, बच्चे को बार-बार डांटना या लगातार अपमानित करना
- बच्चे को अक्सर एक वयस्क/उसकी उम्र के हिसाब से अनुचित जिम्मेदारियां उठाने के लिए कहना, बच्चे को उसके विचार, भावनाएं और इच्छाएं व्यक्त करने से रोकना, विकृत या आपराधिक व्यवहार को बढ़ावा देना
- विचित्र दंड, अप्रत्याशित व्यवहार
- बगैर किसी तथ्यात्मक सबूत के बार-बार दूसरों पर बच्चे को नुकसान पहुंचाने/दुर्व्यवहार के आरोप लगाना, बच्चे को बार-बार अनावश्यक जांच प्रक्रियाओं का विषय बनाना

एक बच्चे की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा की रक्षा करना

बच्चों को प्यार किए जाने और महत्व दिए जाने की आवश्यकता है ताकि वे शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं में सुरक्षित तथा स्वस्थ रूप से वृद्धि और विकास कर सकें। इसके साथ ही, बच्चों के लिए अपना ध्यान रखना और दैनिक जीवन का सामना करना सीखना भी आवश्यक है। बच्चों के पास अपने खुद के विचार व्यक्त करने, स्वयं की एक सकारात्मक छवि और आत्मविश्वास निर्मित करने, अपनी पहचान की भावना होने, और अच्छे पारस्परिक संबंध विकसित करने का मौका होना चाहिए।

बच्चों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के सामान्य विकास को सुनिश्चित करने के लिए, माता-पिता या देखभालकर्ता को बच्चों की पर्याप्त देखभाल, प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करनी चाहिए। खेल, संचार और उचित शारीरिक संपर्क भी महत्वपूर्ण हैं। जब बच्चे कुछ गलत करते हैं, तो माता-पिता को उन्हें धैर्य के साथ सिखाना और मार्गदर्शन देना चाहिए। यह बच्चे के आत्मविश्वास, भावनात्मक नियंत्रण, कठिनाई से उबरने की क्षमता, और भविष्य में एक सकारात्मक और भरोसेमंद आपसी संबंध के विकास के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

नुकसान/दुर्व्यवहार के शिकार बच्चे और अपराधी की मदद के लिए हम क्या कर सकते हैं?

- जहां यह संदेह है कि बच्चे की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा को खतरा या नुकसान पहुंचाया जा रहा है, परिस्थिति का अन्वेषण करके और यथासंभव जल्द सहायता के लिए पूछकर इसे गंभीरता से लेना होगा।
- नुकसान/दुर्व्यवहार का शिकार होने वाला बच्चा घटना का खुलासा होने के दुष्परिणामों के बारे में चिंतित हो सकता है। कुछ जातीय अल्पसंख्यक बच्चे अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होने के कारण घटना का खुलासा करने से पीछे हटते या अनिच्छुक नजर आ सकते हैं। यदि बच्चा कोई चिंता या परेशानी जाहिर करता है, तो उसकी भावनाओं को समझना चाहिए और उसकी चिंताओं को यथासंभव कम करने के लिए उसे सहायता प्रदान की जानी चाहिए। बच्चे को भविष्य में नुकसान पहुंचने से बचाने के लिए खुलासे के महत्व को समझने में मदद करके घटना का खुलासा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- जरूरी नहीं कि अपराधी आवश्यक रूप से यह महसूस करें कि उन्हें उनके व्यवहार में समस्या हो सकती है। यहां तक कि जब वे समस्या से अवगत होते हैं, तो भी वे अक्सर उसे नियंत्रित करने में असमर्थ होते हैं या जरूरी मदद नहीं मांग सकते हैं। जो लोग उन्हें जानते हैं वे उन्हें जल्द से जल्द मदद मांगने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।
- किसी भी व्यक्ति या परिवार को बड़े या छोटे स्तर की समस्याएं हो सकती हैं। किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाना/दुर्व्यवहार करना व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्या का संकेत हो सकता है। यह जानते हुए कि हमेशा हर मुश्किल का का एक समाधान होता है, नुकसान/दुर्व्यवहार के शिकार बच्चे और अपराधी को उनके द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए पेशेवर सहायता की एक समान आवश्यकता होती है।
- यह उम्मीद की गई थी कि बच्चों के विकास के बारे में चिंता करने वाला हर व्यक्ति बच्चों को नुकसान पहुंचाने/दुर्व्यवहार करने की समस्या के प्रति जागरूकता को सक्रिय रूप से बढ़ाने और समस्या की गंभीरता तथा दूरगामी प्रभाव पर ध्यान देने में सक्षम होगा।
- यदि पाया जाता है कि किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाया/दुर्व्यवहार किया गया है, तो कृपया यथासंभव जल्द संबंधित संगठन या समाज कल्याण विभाग की हॉटलाइन (टेलीफोन: 2343 2255) या संबंधित जिले की परिवार और बाल संरक्षण सेवा इकाई से संपर्क करें।

परिवार और बाल संरक्षण सेवा इकाई के संपर्कों के लिए:
https://www.swd.gov.hk/en/index/site_pubsvc/page_family/sub_listofserv/id_familyandc/